Written by कुमार सौवीर
Thursday, 14 June 2018 17:56

: □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□-□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□, □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ : □□□□ □□, □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□, □□□□□□□□ □ □□ □□□ : □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□, □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ :

□□□□□ □□□□□

□□□□ : पता नहीं कि इस कहानी का कोई सिरा उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग की मौजूद हालात से कहीं जुड़ा हुआ दिखेगा या नहीं, लेकिन इतना जरूर है कि योगी सरकार के माथे पर अखिलेश यादव ने □क ऐसी बहू थोप दी है, जिसके चलते यूपी लोकसेवा आयोग में हंगामा बरपा गया है□ आम प्रतिभागीगण मानने लगे हैं कि इस आयोग के अध्यक्ष के तौर पर इस नई बहू ने आयोग की परीक्षाओं के प्रतिभागियों के नाक में दम कर दिया है□ प्रतिभागीगण तो इस पूरा का पूरा आयोग को अनिरुद्ध सिंह के नेतृत्व में किसी क्रूर, मूर्ख और विचित्र कौरव सेना से कम नहीं देखते हैं□

बहरहाल, पूरा किस्□ सा सुनने से पहले □क कहानी सुन लीजि□ :-

पंडित जी ने लड़के और ल□ की की जन्□ मपत्री को कई घंटों तक बांचा और बिचारा□ और आखिरकार मारे खुशी के बोल पड़े□ बोले:- बधाई हो, बधाई हो जजमान□ पूरे के पूरे 36 गुण मिल ग□ हैं□

यह सुनते ही ल□ के वाले उठ के जाने लगे

भौचक्□ के लड़की वालों ने लड़के वालों को रोका, और बोले:- क्यों भइया, क्या हुआ?

ल□ के वालों ने झुंझला कर जवाब दिया:- हमारा ल□ का तो पूरा चूतिया है...तो अब क्या बहू भी चूतिया ले आ□?

खैर, आपको बता दें कि योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद कई बदलाव का संकेत दिया था जिसमें उन्होंने अपने संकल्पों उद्देश्य का खुलासा किया था□ अपने अभियान के तहत उन्होंने कई बोर्डो, परिषदों, प्राधिकरणों, आयोगों, समितियों आदि पर काबिज लोगों को हटाने की कवायद छेड़ी थी, जिन्हें पिछली समाजवादी पार्टी की अखिलेश सरकार ने जमाया था□ लेकिन उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग पर कोई भी गाज नहीं डाली गयी□ जबकि प्रतिभागियों की मानें तो अनिरुद्ध सिंह □क लचर-असफल अध्यक्ष, असंवेदनशील प्रशासक और बेहद थके और अकर्मण्य आयोग परीक्षा आयोजक साबित हु□ □ कई प्रतिभागियों ने प्रमुख न्यूज़ पोर्टल मेरी बिटिया डॉट कॉम को बताया कि आयोग अध्यक्ष के पूरे कार्यकाल में □क भी सकारात्मक पहल नहीं छेड़ी□ भले ही वह पुराने धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार, अनैतिकता और कदाचार करने की कोशिश पर अंकुश लगाने की रही हो या फिर हो चुकी परीक्षाओं की गड़बड़ियों को सुधार कर उनकी उनके परिणामों को घोषित करने की□

Written by कुमार सौवीर
Thursday, 14 June 2018 17:56

[illegible]

[illegible]

अनरिूद्ध सहि यादव के पहले अनलि यादव की करतूतें बच्चे बच्चे की जुबान पर पहुंच गई थी, कसिी लोकगाथा की तरह। हालत यह हुई थी कि हाईकोर्ट के आदेश पर अनलि यादव को बर्खास्त कयिा गया। इस पर अखलिेश सरकार ने फरि अपने खासमखास अनरिुद्ध को इस आयोग का अध्यक्ष बनाया था। मौजूदा आयोग बोर्ड में अखलिेश के भरे हुए लोग मौजूद हैं। और कहने की जरूरत नहीं कि प्रतभिागियों के अनुसार अध्यक्ष के नेतृत्व में या पूरा का पूरा आयोग नहायित शर्मनाक नकारात्मक भाव पैदा करता जा रहा है।

लेकनि इसके बावजूद योगी सरकार ने प्रदेश के लाखों प्रतभिागियों की भावनाओं को समझने, उनकी समस्याओं को समझने, प्रतभिागियों में हर्ष और उल्लास के बीच परीक्षाएं संपन्न कराने की कवायद छेड़ने के बजाय आयोग को पूरी तरह नरिंकुश अराजक और बना दयिा।

आज यह छात्र न्यायालययों तथा इलाहाबाद से लेकर लखनऊ तक सत्ता के हर ड्योढ़ी-गलयिारे पर अपनी व्यथा-गाथा सुनाते घूम घूम रहे हैं। बार-बार पुलसि से उनकी झड़प हो रही है, आक्रोश भयावह है। आयोग की कार्यशैली की असलयित केवल इसी तथ्य से समझी जा सकती है कि यहां की गड़बड़ियों की जांच अब सीबीआई कर रही है कई परीक्षाओं में भारी गड़बड़ियां हुई हैं। चयन को लेकर भारी रकम उगाही गई और राजनीतकि लाभों के लिए कई लोगों को नौकरी दी गई, हर पद के लिए 25 से 50 तक की उगाही हुई है। लेकनि इन चीजों को सुधारने या पछिली परीक्षाओं पर ऐसी गड़बड़ियां न करने की संभावनाएं खोजने के बजाए योगी सरकार ने योग की तरफ से मुंह मोड़ लयिा।